समय के पहले सर्व लगाव व झुकाव से मुक्त कर लेना ही समझदारी

ब्र.कु. उषा,वरिष्ठ राजयोग प्रशिक्षिका

अब मुझे बहुत आत्मग्लानि महसूस हो रही है इसीलिए कल से मैं भिक्षा के लिए नहीं जाऊंगा,भिक्षुक ने कहा। तो महात्मा बुद्ध ने कहा कि नहीं, अब तो तुम्हें खास जाना चाहिए। लेकिन कल तक जाने से पहले तुम अभ्यास करो। अपने मन को इतना शांत करो और अपने मन के हर संकल्प को सारा दिन देखते जाओ कि मेरे मन में क्या संकल्प चल रहे हैं। और अपने संकल्पों के ऊपर इतना अटेंशन रखो कि आपके मन के अंदर कोई भी ऐसा भाव उत्पन्न ना हो, ऐसा कोई भी विचार उत्पन्न ना हो, ऐसा तुम अभ्यास करो। उसने सारा दिन अभ्यास किया, सारा दिन अपने संकल्पों को देखते हुए मन को शांत करता गया।

दूसरे दिन जब फिर से भिक्षा मांगने के लिए गया उसी स्थान पर गया और जैसे ही उस बहन ने दरवाज़ा खोला तो उसने साक्षी होकर अपने संकल्पों को देखना शुरू कर दिया कि मेरे मन के अंदर किसी भी प्रकार के शुद्ध संकल्प के सिवाय कोई संकल्प उत्पन्न नहीं होना चाहिए और इतना शुद्ध संकल्प कि खाने के लिए कोई आशक्ति न हो। उसने खाली इतना कहा- भिक्षामदेही। बहन ने फिर उसको कहा अंदर आकर भोजन कर लीजिए उस समय भी साक्षी हो करके वह बैठा और मन में संकल्प किया कि जो जैसा खाना आज मुझे मिलेगा उसे स्वीकार करना है। उसने स्वीकार किया, उसके बाद बहन ने कहा तुम यहीं विश्राम करो तो उस समय भी उसने अपने मन को देखना आरंभ किया और अलग हो गया अपने आप से। मन में उठने वाले हरेक भाव को देखता रहा। शुद्ध भाव और शुद्ध भावना को जैसे सारे वातावरण के अंदर प्रवाहित करता रहा। फिर जब वहाँ से वापिस आया तो उस समय उस बहन ने कहा कि आज तुम अपनी स्थिति में पास हो गए। जब हम अपने अंतर के भाव को बहुत स्पष्ट देख सकते हैं, अपने संकल्पों

पेपर में पास होने के लिए तैयारी अभी ही करनी होगी। अन्यथा तो फेल होने से खुद को बचा नहीं पाएंगे।

को खुद अलग हो करके देख सकते हैं, और जब उसको देखेंगे तो नैचुरल है कोई भी जब नकारात्मक संकल्प नहीं होगा तो नकारात्मक भावना नहीं होगी, नकारात्मक दृष्टि नहीं होगी, नकारात्मक बुद्धि का इंटरफेयर नहीं होगा, तब हमारी स्थिति सतोप्रधान अवस्था वाली स्थिति हो जाएगी। इसीलिए बाबा कई बार कहते हैं कि साक्षी दृष्टा होने के लिए न्यारा और उपराम बनना बहुत ज़रूरी है। साधन-सुविधाओं से हमारा लगाव हो जाता है, चीज़-वस्तुओं से हमारा लगाव हो जाता है, उससे भी अपने आप को ऊपर कर देना ही साक्षी स्थिति है। अब इसी तरह हमारे वृत्ति और स्वभाव से भी झुकाव होता है। चाहे व्यक्ति के प्रति, कोई भी इंसान के स्वभाव संस्कार को देखते हुए या उसकी विशेषता को देखते हुए जब वो व्यक्ति बहुत अच्छा लगने लगता है कि यह व्यक्ति बहुत अच्छी सेवा करता है, इसके अन्दर बहुत विशेषताएं हैं, उसके अन्दर गुण बहुत हैं, इस तरह से उसके प्रति झुकाव हो जाता है। तब हम साक्षी दृष्टा नहीं हो सकते। इसलिए स्वभाव, लगाव, झुकाव, दबाव, प्रभाव की बातों से अपने आपको मुक्त रखने वाला ही साक्षी दृष्टा बन सकेगा।

तनाव, पुराना स्वभाव-संस्कार, प्रभाव, लगाव और झुकाव तो यह पांचों बातों से मुक्त जो हो जाता है वही उपराम या उससे न्यारा हो सकता है। वह सहज ही साक्षीदृष्टा स्थिति को क्रियेट कर लेता है। जिसकी बहुत काल तक यह स्थिति बनने लगेगी तब जाकर के हर अंतिम समय के पेपर से वो पास हो जायेगा, क्योंकि इन पांच रूपों से अंतिम समय में पेपर आने ही आने हैं। चारों तरफ का नकारात्मक वातावरण इतना होगा जो वह इफेक्ट करेगा, वो हमारे अंदर भी नकारात्मक संकल्प क्रिएट कर सकता है, हमने अपने संकल्पों पर अगर अभी ध्यान नहीं दिया, डिटैच होकर देखा नहीं तो नैचुरल है हमारी स्थिति को इफेक्ट करेगा। इसी तरह पुराने स्वभाव-संस्कार फुल फोर्स में आएंगे और दूसरों के भी टक्कर खायेंगे। उसके साथ में अगर टकरा गए तो भी फेल हो जाएंगे इसीलिए बाबा ने कहा जो ओरिज़नल सतोप्रधानता के संस्कार हैं, सात्विक संस्कार हैं उनको इमर्ज रुप में रखो। जितना ज़्यादा उनको इमर्ज रखेंगे उतना इससे फ्री हो जाएंगे।

दिल्ली। ले मेरिडियन होटल में साउथ वेस्टर्न अमेरिकन यूनिवर्सिटी द्वारा आयोजित दीक्षांत समारोह में राजयोग का संदेश देने के लिए विभिन्न 100 वर्ल्ड रिकॉर्ड्स बनाने वाली पहली भारतीय महिला नागठाणे सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. डॉ. सुवर्णा बहन को आध्यात्मिकता में डी लिट प्रदान करते हुए आम आदमी पार्टी के विधायक सोमनाथ भारती। समारोह में साउथ वेस्टर्न अमेरिकन यूनिवर्सिटी के वाइस चांसलर जॉन पीटर, सुप्रसिद्ध फिल्म अभिनेत्री सिमरन आहुजा उपस्थित रहे।

बहल-हरियाणा। 'सुसंस्कारों की धरोहर भारत की बेटियाँ' कार्यक्रम में 51 बेटियों को शिक्षा के क्षेत्र में प्राप्त विशेष उपलब्धि को लेकर मोमेंटो भेंट कर सम्मानित करते हुए उपनिरीक्षक जगत सिंह मोर, ब्र.कु. पुष्पा दीदी तथा थानेदार महेन्द्र सिंह। कार्यक्रम में उपस्थित रहे ब्र.कु. निर्मला बहन, ब्र.कु. मंजू बहन, ब्र.कु. पुष्पा दीदी, उपनिरीक्षक जगतसिंह मोर, थानेदार महेंद्र सिंह, पूर्व चेयरपर्सन सुमनलता पनिहार, ब्र.कु. शकुन्तला दीदी, एनआरआई बजरंग लाल खन्ना, सरपंच गजानंद अग्रवाल, ब्र.कु. पूनम बहन, ब्र.कु. वैशाली बहन तथा ब्र.कु. शीतल बहन।

ओम शान्ति मीडिया सदस्यता हेतु सम्पर्क करें

कार्यालय - ओम शान्ति मीडिया
संपादक - ब्र.कु. गंगाधर, ब्रह्माकुमारीज़, शान्तिवन, तलहटी, पोस्ट बॉक्स न-5,आबू रोड, राज. 307510

सम्पर्क- M- 9414006096, 9414182088,
Email-omshantimedia@bkivv.org

सदस्यता शुल्क : भारत - वार्षिक - 240 रूपये, तीन वर्ष - 720 रूपये, आजीवन - 6000 रूपये

Website: www.omshantimedia.org

For Online Transfer

BANK NAME:- STATE BANK OF INDIA(SBI)
ACCOUNT NAME:- OM SHANTI MEDIA
ACCOUNT NO: - 30826907041,IFSC - CODE - SBIN0010638
BRANCH- Prajapita Brahmakumaris Ishwariya Vishwa Vidhyalya,Shantivan

Note:- AfterTransfer send detail on
E-Mail - omshantimedia.acct@bkivv.org
OR
Whatsapp, Telegram No.:- 9414172087

बैंक ऑफ़ बड़ौदा
Bank of Baroda

BHIM Baroda Pay

SCAN TO PAY
WITH ANY BHIM UPI APP

Merchant Name : RERF Om Shanti Media

vpa : 09000rf0076184@barodampay

UPI | paytm | BHIM | BharatPe

सोनीपत-हरियाणा। नवरात्रि पर्व पर चैतन्य देवियों की झाँकी का अवलोकन करने के पश्चात् चित्र में विधायक सुरेंद्र पंवार, स्थानीय सेवाकेंद्र संचालिका ब्र.कु.प्रमोद बहन तथा ब्र.कु.सुनीता बहन।

जलबपुर-नेपियर टाउन(म.प्र.)। शिव स्मृति भवन में चैतन्य देवियों की झांकी का दीप प्रज्वलित कर उद्घाटन करते हुए महापौर जगत बहादुर सिंह,अन्नू, बॉबी जायसवाल,संयुक्त सचिव ड्रग केमिस्ट एसोसिएशन, ब्र.कु.भावना बहन तथा अन्य अतिथिगण।

बरही-हज़ारीबाग(झारखंड)। चैतन्य दुर्गा माँ की झांकी शोभायात्रा एवं राजयोग चित्र प्रदर्शनी का शिव ध्वज दिखाकर शुभारम्भ करते हुए अनुमंडल प्रमुख मनोज कुमार, सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु.रीना बहन, ब्र.कु.मुन्नी बहन, ब्र.कु.रोशनी बहन, ब्र.कु.रामदेव भाई तथा अन्य।

वड़ोदरा-अलकापुरी(गुज.)। गांधी जयंती पर 'स्वच्छ रेलवे सर्वत्र' अभियान के अंतर्गत रेलवे स्टेशन पर सफाई में सेवा देने के पश्चात् समूह चित्र में ब्र.कु. रागिनी बहन, ब्र.कु. लक्ष्मी बहन, ब्र.कु. नरेंद्र भाई तथा अन्य भाई-बहनें।

भादरा-राजस्थान। पुलिस स्टेशन में पौधा रोपण करते हुए ब्र.कु.चंद्रकांता बहन, सी.आई. रणवीर, डी.एस.पी राजेंदर तथा अन्य।

निम्बाहेड़ा-राज.। दशहरा मेले में लगाई गई 10 दिवसीय चित्र प्रदर्शनी द्वारा ईश्वरीय संदेश देने के पश्चात् समूह चित्र में हैं सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु.शिवली बहन, एस.आई. सूरज जी तथा पुलिस स्टाफ।